सरिस्का टाइगर रिज़र्व से बाहर निकला बाघ

चर्चा में क्यों?

माना जा रहा है कि **राजस्थान के** सरिस्का टाइगर रिज़र्व से भटककर आया एक नर बाघ **हरियाणा के रेवाड़ी में मसानी बैराज** के पास एक गाँव में देखा गया है।

- बाघ की पहचान **ST-2302** के रूप में की गई है।

मुख्य बिंदु:

हरियाणा और राजस्थान की वन तथा वन्यजीव **टीम मिलकर तीन वर्ष के बाघ पर नज़र रख रही हैं।**

स्थिति की निगरानी करते हुए, **अधिकारी** बाघ के मानव-आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश करने की स्थिति में **किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिये सावधानी बरत रहे हैं।**

सरिस्का टाइगर रिज़र्व

- सरिस्का टाइगर रिज़र्व **अरावली पहाड़ियों** में स्थित है और राजस्थान के अलवर ज़िले का एक हिस्सा है।
- सरिस्का को **वर्ष 1955 में एक वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था और बाद में वर्ष 1978 में इसे बाघ अभयारण्य घोषित किया गया**, जिससे यह भारत के **प्रोजेक्ट टाइगर** का हिस्सा बन गया।
- **कंकरवाड़ी किला रिज़र्व के केंद्र में स्थित है** और कहा जाता है कि मुगल बादशाह औरंगज़ेब ने अपने भाई दारा शिकोह को सिंहासन के उत्तराधिकार के संघर्ष में इस किले में कैद कर लिया था।

नोट:

- **कालेसर राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य**:
  - यह शिवालिक तलहटी पर स्थित है। यह राजाजी राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड) और सिंबलबारा राष्ट्रीय उद्यान (हिमाचल प्रदेश) से सटा हुआ है।
- **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान:**
  - यह गुरुग्राम से 15 किमी. दूर स्थित एक रामसर साइट है।
  - यह पार्क प्रवासी पक्षियों के लिये प्रसिद्ध है।
- **भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य:**
  - यह मानव निर्मित मीठे जल की आर्द्रभूमि है।
- **हरियाणा के अन्य वन्यजीव अभयारण्य:**
  - मोरनी हिल्स (खोल-हाय-रायतान) वन्यजीव अभयारण्य और बीर शिकारगढ़ वन्यजीव अभयारण्य शिवालिक पहाड़ियों में स्थित है।
  - चिलछिला झील वन्यजीव अभयारण्य (सियोंथी रिज़र्व वन) कुरुक्षेत्र ज़िले में।
  - झज्जर ज़िले में खापरवास वन्यजीव अभयारण्य।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sariska-tiger-roaming-in-haryana